Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
MD-102

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination March – 2021

M.A. Darshan, Semester : First
दर्शन : प्रश्न-पत्र : द्वितीय
न्याय-वैशेषिक – प्रथम

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीघ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. गौतम ऋषि ने अपवर्ग प्राप्ति के कौन से उपाय व क्रम बतायें हैं? सप्रमाण व्याख्या करें।
2. न्यायदर्शन के प्रमाणवाद का विस्तृत वर्णन करें।
3. वैशेषिक के षड् पदार्थों का विस्तृत वर्णन करें।
4. न्यायदर्शन के अनुसार प्रमेय पदार्थ कितने एवं कौन-कौन से हैं? सप्रमाण लिखें।
5. द्रव्य, गुण, कर्म का लक्षण बताते हुए तीनों के प्रकार भी निरुपित करें।

खण्ड-ख
(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

1. न्यायदर्शन के अनुसार 'अवयव' नामक पदार्थ का सोदाहरण वर्णन करें।
2. न्यायदर्शन के अनुसार हेत्वाभास- कितने एवं कौन-कौन से हैं? सप्रमाण वर्णन करें।
3. कणाद द्वारा उपदिष्ट 'सामान्य' नामक पदार्थ भाष्यानुसार वर्णन करें।
4. वैशेषिक दर्शन के अनुसार कर्म कितने प्रकार के हैं? प्रत्येक का वर्णन करें।
5. छल का लक्षण बताते हुए उसके प्रकारों का उल्लेख करें।
6. वायु के सामान्य एवं विशेष गुण का वर्णन करें।
7. प्रशस्त पाद भाष्यानुसार काल प्रकरण का निरुपण करें।

----------x----------